अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : दसवीं – जैन सिद्धान्त प्रभाकर उत्तरार्द्ध (परीक्षा 20 जुलाई, 2014)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	7	कुल योग
प्राप्तांक								
पूर्णांक	10	10	10	10	24	24	12	100
पुनः जाँच								

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) वनस्पतिकाय में उत्पन्न हुआ जीव उत्कृष्टतः काल तक रहता है -

(क) असंख्यात (ख) संख्यात

(ग) अनन्त (घ) अनादि ( )

(b) चौथी नरक में नरकावास हैं -

(क) 15 लाख (ख) 20 लाख

(ग) 10 लाख (घ) 03 लाख ( )

(c) पुद्गलों का कार्य नहीं है -

(क) सुख-दुःख (ख) उच्छ्वास

(ग) वाणी (घ) वर्तना ( )

(d) दिव्य दृष्टि का अर्थ है -

(क) अतीन्द्रिय ज्ञान (ख) लौकिक ज्ञान

(ग) ध्यान (घ) विशेष ज्ञान ( )

(e) प्राकृत भाषा में वचन होते हैं -

(क) 02 (ख) 03

(ग) 04 (घ) 05 ( )

(f) 'जिण' शब्द का सप्तमी विभक्ति का एकवचन रूप है -

(क) जिणस्स (ख) जिणे

(ग) जिणा (घ) जिणेसु ( )

(g) 'पास' क्रिया का अर्थ है -

(क) चाहना (ख) पास आना

(ग) देखना (घ) फेंकना ( )

(h) व्यंतर देवों की जघन्य स्थिति है -

(क) 2 सागरोपम (ख) 1 पल्योपम

(ग) 10 हजार वर्ष (घ) पाव पल्योपम ( )

(i) सभी प्रकार के देवों के स्वामी हैं -

(क) अनीक (ख) अहमिन्द्र

(ग) इन्द्र (घ) पारिषद्य ( )

(j) पाँचवीं नरक पृथ्वी का मूल नाम है -

(क) रिष्ठा (ख) अंजना

(ग) धूमप्रभा (घ) पंकप्रभा ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- 10x1 = (10)

(a) साठ वर्ष की अवस्था वाला मुनि पर्यायस्थविर कहलाता है। .....

(b) प्रथम बार सम्यग्दर्शन प्राप्त करना परीत संसारी कहलाता है। .....

(c) एक बार आराधक बनने के बाद वह जीव विराधक भी बन सकता है। .....

(d) 'सिज्झिहिइ' का अर्थ सकल कर्मों से युक्त होना है। .....

(e) जीव पर्याय का थोकडा पन्नवणा सूत्र से लिया गया है। .....

(f) जीव पर्याय में प्रदेश से तुल्य होने का कारण आत्मप्रदेशों का बराबर होना है। .....

(g) जघन्य अवगाहना वाले एक-एक पृथ्वीकाय की आपस में तुलना करने पर स्थिति की अपेक्षा चतुःस्थान पतित होगा। .....

(h) युगलिकों में अवधिज्ञान किसी-किसी को होता है। .....

(i) एक पल्योपम संख्यात हजार वर्षों का होता है। .....

(j) अनेकान्तवाद का फलित यह है कि इससे सम्यग्ज्ञान होता है। .....

प्र.3 मुझे पहचानो :- 10x1 = (10)

(a) मैं सब धर्मों का प्राण हूँ। .....

(b) मैं ही पदार्थों को जानता हूँ, इन्द्रियाँ नहीं। .....

(c) मुझमें देह का यथासमय घात होता है, पर आत्मघात नहीं होता। .....

(d) मेरा अधिकार सुख विपाक सूत्र के 9वें अध्ययन में चलता है। .....

(e) मेरे भव में भगवान महावीर के जीव ने सुपात्र दान देकर संसार को सीमित कर लिया था। .....

(f) मैंने सुमुख गाथापति के भव में आयुष्य सम्यक्त्व अवस्था में नहीं बांधी थी। .....

(g) मेरे प्रदेश दीपक के समान संकोच विस्तार वाले हैं। .....

(h) मैं अप्रदेशी द्रव्य हूँ। .....

(i) मैं सर्वार्थसिद्ध विमान से 12 योजन ऊपर हूँ। .....

(j) मैं असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय हूँ, मेरी उत्कृष्ट स्थिति 53 हजार वर्ष है। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a)	निवडर	-	सफेद	.....
(b)	पंडुरया	-	न्यायपूर्ण	.....
(c)	वोछिंद	-	दास श्रेणि के देव	.....
(d)	अवउज्झिय	-	जेष्ठता	.....
(e)	नेयाउए	-	गिर जाता है	.....
(f)	आभियोग्य	-	शक्ति विशेष	.....
(g)	अस्तिकाय	-	तोड़ दो	.....
(h)	परत्व	-	छोड़कर	.....
(i)	गुण	-	वैतरणी	.....
(j)	कुम्भ	-	प्रदेशों का समूह	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए :- **12x2 = (24)**

(a) **'तन्मध्ये मेरूनाभिर्वृतो योजन शतसहस्त्रविष्कम्भो जम्बूद्वीपः। ' अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(b) **'संघातभेदेभ्य उत्पद्यन्ते' सूत्र का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(c) **प्रदेश किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(d) **प्रमाद की अधिकता वाला जीव संसार में परिभ्रमण क्यों करता है ?**

.....

.....

(e) **जघन्य स्थिति वाले एक-एक नैरयिक की आपस में तुलना कीजिए।**

.....

.....

(f) उत्कृष्ट मतिज्ञान वाले एक-एक नैरयिक की आपस में तुलना कीजिए।

.....

.....

(g) जघन्य गुण काले वर्ण वाले पृथ्वीकाय की आपस में तुलना कीजिए।

.....

.....

(h) केवलज्ञानी मनुष्य की केवलज्ञानी मनुष्य से तुलना कीजिए।

.....

.....

(i) सौरसेनी अथवा अपभ्रंश भाषा के बारे में लिखिए।

.....

.....

(j) पा अथवा हा क्रिया के वर्तमान कालिक, पुरूष व वचन में रूप लिखिए।

.....

.....

(k) अनेकान्त की परिभाषा लिखिए।

.....

.....

(l) दुर्लभ मनुष्य जन्म पाकर भी क्या प्राप्त करना मुश्किल है ?

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में दीजिए :- (कोई 8) 8x3=(24)

(a) 'जिण' शब्द के रूप विभक्तियों में लिखिए।

.....

.....

.....

(b) **अपरिग्रहवाद अथवा कर्मवाद पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।**

.....

.....

.....

(c) **उत्कृष्ट अवगाहना वाले मनुष्यों में स्थिति की अपेक्षा एक स्थान पतित क्यों है ?**

.....

.....

.....

(d) **मनःपर्यवज्ञानी के मारणांतिक समुद्घात नहीं करने का कारण लिखिए।**

.....

.....

.....

(e) **एक स्थान पतित से आप क्या समझते हैं ?स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

(f) **पर्याय किसे कहते हैं ?**

.....

.....

.....

(g) **ज्योतिष्क देव कितने हैं ? और वे कहाँ अवस्थित रहते हैं ?**

.....

.....

.....

(h) **चार प्रकार के पौषध लिखिए।**

.....

.....

.....

(i) **'एगमवि आयरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा' का क्या तात्पर्य है ?**

.....

.....

.....

प्र.7 निम्नांकित गाथाओं के हिन्दी भावार्थ लिखिए - (कोई 4) 4x3 = (12)

(a) **धम्म पि हु सद्दहंतया, दुल्लहया काएण फासया।**

इह कामगुणेहिं मुच्छिया, समयं गोयम ! मा पमायए।।

.....

.....

.....

.....

(b) **वोछिंद सिणेहमप्पणो, कुमुयं सारइयं व पाणियं।**

से सव्वसिणेहवज्जिए, समयं गोयम ! मा पमायए।।

.....

.....

.....

.....

(c) **अवसोहिय कंटगापहं, ओइण्णो सि पहं महालयं।**

गच्छसि मग्गं विसोहिया, समयं गोयम ! मा पमायए।।

.....

.....

.....

.....

(d) **अकलेवरसेणिमुस्सिया, सिद्धिं गोयम ! लोयं गच्छसि।**

खेमं च सिवं अणुत्तरं, समयं गोयम ! मा पमायए।।

.....

.....

.....

.....

(e) **'उवज्झाओ अत्थ लिहइ। वयं दुद्धं इच्छामो। तुमं सत्थं पढसि। वाक्यों का हिन्दी अर्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....